भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 108

गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/9 माघ, 1947 (शक)

बेरोजगारी में वृद्धि

108. श्री देरेक ओब्राईन:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार सितंबर 2025 में कुल बेरोज़गारी दर 5.2 प्रतिशत थी;

(ख) क्या ग्रामीण बेरोज़गारी अगस्त में 4.3 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2025 में 4.6 प्रतिशत हो गई;

(ग) क्या शहरी महिलाओं की बेरोज़गारी अगस्त में 8.9 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2025 में 9.3 प्रतिशत हो गई और पुरुषों की बेरोज़गारी सितंबर 2025 में 6 प्रतिशत थी; और

(घ) यदि हाँ, तो बेरोज़गारी में वृद्धि के क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) और (घ): रोजगार और बेरोजगारी का आधिकारिक डाटा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) द्वारा एकत्र किया जाता है जिसे सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से आयोजित किया जा रहा है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) वर्ष 2017-18 में 6.0% से घटकर वर्ष 2023-24 में 3.2% हो गई है। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यूआर क्रमशः 5.3% से घटकर 2.5% तथा 7.7% से 5.1% हो गई है।

इसके अतिरिक्त, शहरी पुरुषों के लिए अनुमानित बेरोजगारी दर 2017-18 में 6.9% से घटकर 2023-24 में 4.4% हो गई है और इसी अवधि के दौरान शहरी महिलाओं के लिए यह 10.8% से घटकर 7.1% हो गई है।

इसके अलावा, एमओएसपीआई ने जनवरी 2025 से पीएलएफएस को नया रूप दिया है। मासिक पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के आधार पर बेरोजगारी दर (यूआर) अगस्त 2025 में 5.1% और सितंबर 2025 में 5.2% थी और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण बेरोजगारी दर क्रमशः 4.3% और 4.6% थी तथा शहरी महिलाओं की बेरोजगारी दर इसी अवधि के दौरान क्रमशः 8.9% और 9.3% थी। ज्यादा आवृत्ति और मौसमी बदलावों के मद्देनजर मासिक पीएलएफएस अनुपात में परिवर्तन की उम्मीद बनी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह समान प्रवृत्ति को प्रतिबिंबित करें।

*****